चीनी की सप्लाई बढ़ने से नवंबर में और कम होंगे दाम

[जयश्री भोसले *पुणे*]

मार्केट में बड़े पैमाने पर चीनी की सप्लाई नवंबर से शुरू होगी। ऐसे में नवंबर से इसकी कीमत और कम हो सकती है। अभी भी चीनी के दाम पर प्रेशर बना हुआ है। टॉप शुगर प्रोड्यूसर महाराष्ट्र में शुगर प्रोडक्शन नवंबर के पहले हफ्ते से शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, राज्य सरकार चाहती थी कि यहां 15 अक्टूबर से चीनी का प्रोडक्शन शुरू हो।

कर्नाटक और तमिलनाडु में पहले ही गन्ने की पेराई शुरू हो गई है। यूपी की चीनी मिलें नवंबर से गन्ने की पेराई शुरू करेंगी। ऊंचे कोटा और नई सप्लाई के चलते नवंबर तक चीनी के दाम पर प्रेशर बना रह सकता है। ट्रेडर्स का मानना है कि नवंबर के पहले हफ्ते से चीनी के दाम में और नरमी आएगी। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया, 'अक्टूबर और नवंबर के लिए सरकार ने 40 लाख टन के कोटे का एलान किया है। इससे पिछले 10 दिनों में चीनी की कीमत में 1.5 रुपए किलो तक की कमी आई है। चीनी मिलें अभी अक्टूबर का कोटा नहीं बेच रही हैं, क्योंकि सितंबर का कोटा ही खत्म नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया कि नवंबर के पहले हफ्ते के बाद चीनी के दाम में और गिरावट आ सकती है। केंद्र सरकार ने हाल में सिर्फ अक्टूबर और नवंबर के लिए शुगर कोटे की घोषणा की है। पहले केंद्र तीन महीने के कोटे का एलान एक साथ करता था। माना जा रहा है कि दिसंबर के कोटे की घोषणा से पहले सरकार नए सीजन के हालात को पूरी तरह समझना चाहती है।

अभी चीनी के दाम पर प्रेशर बना हुआ है। टॉप शुगर प्रोड्यूसर महाराष्ट्र में शुगर प्रोडक्शन नवंबर के पहले हफ्ते से शुरू होने की उम्मीद है

सितंबर में कमजोर बारिश से महाराष्ट्र सरकार ने अपने पहले के फैसले को बदल दिया है। अब वह गन्ने की पेराई 15 दिन पहले नवंबर की बजाय 15 अक्टूबर से शुरू कराना चाहती है। हालांकि, महाराष्ट्र में कुछ ही मिलों के दशहरा के पहले पेराई शुरू करने की उम्मीद है। ज्यादातर चीनी मिलें इसके बाद ही पेराई शुरू करेंगी।

शक्कर महर्षि शंकर राव मोहिते सहकारी शक्कर कारखाना के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र यादव ने बताया, 'कुछ चीनी मिलें दशहरे के पहले क्रसिंग ऑपरेशंस शुरू कर देंगी। हालांकि, ज्यादातर मजदूर दशहरे के बाद ही फैक्ट्रियों में लौटेंगे। ऐसे में नवंबर से पूरी कैपेसिटी के साथ प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है।' सोलापुर में पिछले साल 140 लाख टन गन्ने की पेराई हुई थी, लेकिन इस सीजन में केवल 105-110 लाख टन गन्ने की पेराई होने की उम्मीद है।